पाठ
14

भारत बन जाही नंदनवन

-कोदूराम 'दलित'

अपन देश ल नंदनवन जइसन सुघ्घर बनाय म उहाँ के लोगन मन के ज्ञान अऊ मेहनत ह आधार होथे। असली ताकत मेहनत करइया किसान अऊ मजदूर होथे। जब तक आलस ल नई छोड़ही तब तक उहाँ रहइया मन आगू नई बढ़ सकय। जनता के दुःख–पीरा हरे मा खुद के मेहनत अऊ विश्वास होथे। किसान अऊ मजदूर चाहय त खंडहर ह तको रंगमहल के समान बन जाही।

कविता म कवि ह देश के जवान मन ले, मजदूर अऊ किसान मन ले आलस छोड़ के मेहनत के बात कहे हे।

हे नव भारत के तरुण वीर,
हे भीम, भागीरथ, महावीर ।

झन भुला अपन पुरुसारथ बल,
खँड़हर मा रच अब रंगमहल ।

ये राज तोरे, सरकार तोर,
ये दिल्ली के दरबार तोर ।

हे स्वतंत्र भारत के नरेस,
जन–जन के जल्दी हर कलेस ।

माँगे स्वदेश श्रमदान तोर,
संपदा, ज्ञान–विधान तोर ।

जब तोर पसीना पा जाही,
ये पुरुस–भूमि हरिया जाही।

पाही जब तोर बटोरे धन,
भारत बन जाही नंदनवन।

पाही बन तोर विसुद्ध ज्ञान,
भारत बनही जग मा महान।

तज दे आलस, कर श्रम कठोर,
पिछवा जाबे अब झन अगोर ।

छत्तीसगढ़ी शब्द मन के हिन्दी अर्थ			अन्य शब्दार्थ		
झन	=	मत,नहीं	नवभारत	=	नया भारत
पुरुसारथ	=	पुरुषार्थ, पराक्रम	तरुण	=	युवा,जवान
कलेस	=	कष्ट	रंगमहल	=	आमोद–प्रमोद के लिए बनाया गया महल
पिछवा जाबे	=	पिछड़ जाओगे			
अगोरमा	=	प्रतीक्षा करना	स्वदेश	=	अपना देश
नरेस	=	नरेश या राजा	नंदनवन	=	स्वर्ग में देवराज इंद्र की वाटिका

अभ्यास

पाठ से

1. कवि ह भीम, भगीरथ, अउ महावीर कोन ल केहे हे ?
2. कवि देश के नवजवान मन ले का माँगत हे ?
3. ''खंडहर मा रच अब रंग महल'' के भाव ल समझावव।
4. कवि ह नवजवान मन ले कड़ा मिहनत करे बर काबर कहत हे ?
5. भारत नंदनवन कब बन जाहि ?
6. खाल्हे लिखाय कविता के पंक्ति मन के अर्थ लिखव–

   क. झन भुला अपन पुरुसारथ बल
   खंडहर मा रच अब रंगमहल।

   ख. हे स्वतंत्र भारत के नरेस
   जन–जन के जल्दी हर कलेस

पाठ से आगे

1. तुमन ल अपन जीवन म कभू भीम. भगीरथ, महावीर के पात्र के किरदार निभाय के मौका मिलही त तीनों में से काकर किरदार निभाना पसंद करहु अउ काबर ? सोचके लिखव।
2. जउन घर के मुखिया आलसी होथे वो घर परिवार के लोगन म ओकर का–का परभाव पड़थे। अपन घर के मन ला पूछ के लिखव।

3. तुमन ल कभू जीवन म एक दिन बर अपन राज्य के मुख्यमंत्री बना दिए जाही त अपन राज्य के विकास वर का–का काम करहू ? अपन साथी मन संग चर्चा करके विकास बर करे काम के सूची बनावव।

4. देश के नौजवान मन ले कवि बहुत उम्मीद करत हे। नौजवान मन का–का कर सकत हे ? अपन साथी मन संग चर्चा करके विकास काम के सूची बनावव।

भाषा से

1. ये शब्द मन के हिंदी रूप लिखव –

   पुरुसारथ, अगोर, कलेस, झन, पिछवा, पुरुस–भूमि, विसुद्ध।

2. कविता म नरेस–कलेस, ज्ञान–महान, जइसन तुक–ले तुक मिले शब्द आय है। अइसन शब्द मन ल समानोच्चरित शब्द कहिथे।

   खाल्हे लिखाय शब्द मन के दो–दो समानोच्चरित शब्द लिखव–

   स्वदेश, वीर, तोर, विशुद्ध, महल

3. खाल्हे लिखाय शब्द मन के उल्टा अर्थ वाला शब्द लिखव –

   गुन, आगू, कठोर, खंडहर, नरेस, विशुद्ध।

योग्यता विस्तार

1. भारत ल अउ का–का नाम ले जाने जाथे वोकर सूची बनावव।

2. पहिली के भारत अउ वर्तमान भारत म कोन–कोन से अंतर मालूम होथे शिक्षक के सहायता से चर्चा करके लिखव।